

पत्र सूचना शाखा  
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)  
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ०प्र०

प्रयाग अर्द्धकुम्भ प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के सम्मान से जुड़ा है  
मेला परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना आवश्यक

अर्द्धकुम्भ के सफल आयोजन के लिए  
प्रयागराज मेला प्राधिकरण का गठन किया जाएगा

इलाहाबाद में आयोजित होने वाला अर्द्धकुम्भ मेला  
भारतीय संस्कृति की एक विशिष्ट पहचान है : मुख्यमंत्री

मेले से जुड़े सभी निर्माण कार्य अक्टूबर, 2018 तक पूर्ण करा लिए जाएं

सभी अखाड़ों का उद्देश्य देश-दुनिया में सुख, शांति और समृद्धि

श्रद्धालुओं के लिए वाराणसी से इलाहाबाद तक  
जल परिवहन की व्यवस्था की जाएगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी से महन्त नरेन्द्र गिरि जी के नेतृत्व में  
अखाड़ा परिषद के सन्तों ने भेंट की

लखनऊ : 12 सितम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि वर्ष 2019 में आयोजित होने वाला प्रयाग अर्द्धकुम्भ प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के सम्मान से जुड़ा है। इसलिए मेला परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। इलाहाबाद में आयोजित होने वाले अर्द्धकुम्भ को भारतीय संस्कृति की एक विशिष्ट पहचान बताते हुए उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से भारतीय परम्परा को विश्व पटल पर रखने का एक अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रयाग अर्द्धकुम्भ के सफल आयोजन के लिए "प्रयाग राज मेला प्राधिकरण" का गठन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी आज यहां शास्त्री भवन में महन्त नरेन्द्र गिरि जी के नेतृत्व में सभी 13 अखाड़ा परिषद के सन्तों से भेंट के दौरान अर्द्धकुम्भ की

तैयारियों के सम्बन्ध में विचार-विमर्श कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे अखाड़े धर्म जागरण के प्रतीक रहे हैं। सभी अखाड़ों का उद्देश्य देश-दुनिया में सुख, शांति और समृद्धि ही हैं।

योगी जी ने कहा कि मेले में स्वच्छता व सुरक्षा जैसे इंतजामों को लेकर राज्य सरकार लगातार सक्रिय प्रयास कर रही है। कुम्भ की ऐतिहासिकता आदिकाल से ही रही है। मुख्यमंत्री जी ने इलाहाबाद के मण्डलायुक्त को निर्देशित किया कि मेले से जुड़े सभी कच्चे-पक्के निर्माण कार्य अक्टूबर, 2018 तक पूर्ण करा लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़कों का समुचित चौड़ीकरण कराया जाए और नई सड़कों का गुणवत्तापरक निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए बस व ई-रिक्शा की व्यवस्था भी की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बसों तथा निजी वाहनों में सवार होकर अर्द्धकुम्भ में आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की व्यवस्था नजदीक ही की जाए। पार्किंग की व्यवस्था अर्द्धकुम्भ मेला क्षेत्र तथा संगम से 10 किलोमीटर के रेडियस में की जाए। पार्किंग के लिए अभी से स्थल और शुल्क निर्धारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि पूज्य सन्त अपनी शाही यात्राएं निकालते हैं, इसलिए बिजली के जर्जर तारों को शीघ्रता से हटाकर नये तारों को लगाने के साथ आवश्यकतानुसार अण्डरग्राउण्ड केबिलिंग का काम भी किया जाए।

योगी जी ने कहा कि अर्द्धकुम्भ मेला एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें देश से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग इस धर्म नगरी में आते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इलाहाबाद को बड़े शहरों से एयरकनेक्टिविटी से जोड़ने हेतु समुचित कार्यवाही की जाए। उन्होंने मण्डलायुक्त को अर्द्धकुम्भ

में जनता के सुगम आवागमन के लिए रेलवे से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वाराणसी से इलाहाबाद तक आवागमन हेतु श्रद्धालुओं के लिए जल परिवहन की व्यवस्था भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आयोजन स्थल पर सभी जरूरी सुविधाएं, राशन की दुकान आदि उपलब्ध हों। सभी सेक्टरों में 40 से 50 बेड के अस्थायी अस्पताल के निर्माण के साथ ही एम्बुलेन्स व इमर्जेंसी डॉक्टरों की टीम उपलब्ध रहे। सभी श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल के साथ-साथ राशन, ईंधन और पूजा की सामग्री हेतु दुकानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मेला परिसर में मोबाइल शौचालय व कूड़ा निस्तारण हेतु उचित प्रबन्ध किया जाए। इस मौके पर सभी 13 अखाड़ा के साधू-सन्तों ने मुख्यमंत्री जी की पहल का स्वागत किया तथा प्रशंसा की।

इस अवसर पर नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना एवं अधिकारीगण मौजूद थे।